जबलपुर में जल संरक्षण को जन आंदोलन का रूप देने के लिए नगर निगम ने अपनी मुहिम तेज कर दी है। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत शहर के प्राचीन तालाबों, बावलियों और जल संरचनाओं के पुनर्जीवन का कार्य युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया गया है।

घरों का पानी घर में, शहर का पानी शहर में

जल संरक्षण के लिए निगमायुक्त की मुहिम तेज

हरिभूमि जबलपुर।

कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह और निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने महाराजपुर क्षेत्र का सघन निरीक्षण कर ऐतिहासिक खुमानताल, बावली और मुक्तिधाम की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने स्पष्ट कहा कि नगर निगम का मूल मंत्र है घरों का पानी घर में, शहर का पानी शहर में। वर्षाजल को सहेजकर भूजल स्तर बढ़ाना और पारंपरिक जल स्रोतों को संरक्षित करना ही इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है।

खुमानताल बनेगा आदर्श जल संरचना

महाराजपुर स्थित ऐतिहासिक खुमानताल का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर एवं निगमायुक्त ने तालाब की स्वच्छता, जल गुणवत्ता और सौंदर्यीकरण को लेकर अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तालाबों और बावलियों का संरक्षण हमारी प्राथमिकता है, क्योंकि यही संरचनाएं शहर के भूजल स्तर को संतुलित रखने में अहम भूमिका निभाती हैं। तालाब के चारों ओर व्यापक सफाई अभियान चलाने, गाद

निकालने और जलभराव क्षमता बढ़ाने के निर्देश दिए गए। साथ ही नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तालाब किनारे पाथ-वे निर्माण, बैठक व्यवस्था और समुचित प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। निगमायुक्त ने कहा कि खुमानताल को एक आदर्श जल संरचना और दर्शनीय स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा, ताकि लोग यहां भ्रमण के साथ-साथ जल संरक्षण के महत्व को भी समझ सकें।

ऐतिहासिक बावली का होगा संरक्षण

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत महाराजपुर की प्राचीन बावली को भी उसके पारंपरिक स्वरूप में लौटाने की तैयारी की जा रही है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि बावली की संपूर्ण सफाई कर उसे अतिक्रमण मुक्त किया जाए। आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर बावली की संरचना को मजबूत किया जाएगा, ताकि वर्षाजल संचयन और भू-जल पुनर्भरण की क्षमता बढ़ सके। अधिकारियों ने बताया कि लक्ष्य केवल सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि इन जल संरचनाओं को आत्मनिर्भर बनाकर शहर की जलापूर्ति व्यवस्था में सहयोगी बनाना है।

मुक्तिधाम में सुदृढ़ होंगी नागरिक सुविधाएँ

महाराजपुर मुक्तिधाम के निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने वहां आने वाले नागरिकों की सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अंतिम संस्कार के लिए आने वाले परिजनों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। मुक्तिधाम परिसर में स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, बैठने की उचित व्यवस्था और मार्ग सुधार सहित सभी आवश्यक सुविधाओं के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया। उन्होंने निर्देश दिए कि मुक्तिधाम को पूर्णतः व्यवस्थित और गरिमापूर्ण बनाया जाए।

विकास कार्यों की भी हुई समीक्षा

निरीक्षण के दौरान क्षेत्र के अन्य विकास कार्यों की भी समीक्षा की गई। पुलिया चौड़ीकरण, मार्ग सुधार और आसपास के सार्वजनिक स्थलों की व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए। निगमायुक्त ने कहा कि जल संरक्षण के साथ-साथ आधारभूत संरचना का विकास भी समान रूप से आवश्यक है।

जनभागीदारी से बनेगा अभियान सफल

निगमायुक्त ने नागरिकों से अपील की कि वे वर्षाजल संचयन को अपने घरों में अनिवार्य रूप से अपनाएं और जल स्रोतों को प्रदूषित होने से बचाएं। उन्होंने कहा कि जब तक आमजन की सहभागिता नहीं होगी, तब तक कोई भी अभियान पूरी तरह सफल नहीं हो सकता। इस अवसर पर पार्षद लक्ष्मण गोटियां, योगेंद्र सिंह यूके, कुणाल सिंह, संतोष दुबे, अमित साहू, अशोक रजक, बबलू जायसवाल, लक्ष्मण पाठक सहित नगर निगम के अधिकारी उपस्थित रहे।

पुस्तक मेले के 11वें दिन उमड़ा जनसैलाब

अजय विश्नोई रहे मुख्य अतिथि

जबलपुर। शहीद स्मारक प्रांगण में आयोजित पुस्तक मेला 2026 के 11वें दिन विद्यार्थियों, अभिभावकों और पुस्तक प्रेमियों की बड़ी संख्या में भीड़ देखने को मिली। इस दौरान पूर्व कैबिनेट मंत्री और वरिष्ठ विधायक अजय विश्नोई मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने मेले की सराहना की। रविवार को हुए इस आयोजन में विभिन्न प्रकाशकों के स्टॉल पर विद्यार्थियों और अभिभावकों ने जमकर किताबों की खरीदारी की। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुई। इस मौके पर समाजसेवी शिवनारायण पटेल और चिकित्सक डॉ. प्रदीप दुबे भी मंच पर उपस्थित रहे। जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी ने अतिथियों का स्वागत किया और समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय शिवनारायण पटेल का सम्मान भी किया गया। अपने संबोधन में अजय विश्नोई ने कहा कि पुस्तक मेला विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए एक बेहतरीन अवसर है, जहां एक ही स्थान पर व्यवस्थित तरीके से किताबें उपलब्ध हो जाती हैं। उन्होंने इस पहल को सराहनीय बताया और इसके महत्व को रेखांकित किया। डॉ. प्रदीप दुबे ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती है

और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के कई अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित रहे, जिनमें डीईओ घनश्याम सोनी, डीएसओ मधुमिता हाजरा, कृष्णकांत शर्मा, कौशल किशोर चौबे, अजय रजक, आलोक शर्मा आदि शामिल थे। यह आयोजन शिक्षा और पुस्तक प्रेमियों के लिए एक उत्कृष्ट अवसर साबित हुआ, जहां उन्होंने न केवल किताबों की खरीदारी की, बल्कि शिक्षा और समाज सेवा के महत्व पर भी चर्चा की।

जगद्गुरु स्वामी श्रीरामभद्राचार्यजी के श्रीमुख से होगी भक्ति रस वर्षा

संस्कारधानी में श्रीराम कथा का आयोजन आज से

जबलपुर। संस्कारधानी में 5 अप्रैल से शुरू हो रही श्रीराम कथा का आयोजन शहीद स्मारक प्रांगण में किया जाएगा, जिसमें विश्वविख्यात तुलसी पीठाधीश्वर, पद्मविभूषण जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी श्री रामभद्राचार्य जी महाराज के श्रीमुख से श्रीराम कथा का रसपान किया जाएगा। यह कथा अवधपुरी (आयुर्वेदिक कॉलेज) परिसर, गौरीघाट में होगी और इसका शुभारंभ माँ नर्मदा तट से माँ नर्मदा कलश पूजन के साथ किया जाएगा। साथ ही, दोपहर 3 बजे नावघाट से कथा स्थल तक भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष संदीप जैन ने बताया कि इस वर्ष की श्रीराम कथा का विषय 'राम जनम जग मंगल हेतु' होगा और कथा का आयोजन प्रतिदिन शाम 4:30 बजे से 7:30 बजे तक होगा। इस बार 41 समाजों के प्रतिनिधि प्रतिदिन के कथा के

यजमान होंगे, जो इस आयोजन को विशेष बना रहे हैं। आयोजन में 41 समाजों के प्रतिनिधि यजमान के रूप में शामिल होंगे, जिनमें प्रमुख समाजों के नाम जैसे कि गुजराती समाज, सोनकर समाज, रजक समाज, कायस्थ समाज, महात्मा गांधी समाज, विमल जैन समाज आदि शामिल हैं। इन प्रतिनिधियों में डॉ. राजेश धीरावाणी (गुजराती समाज), श्री दास प्रसाद अहिरवार (अहिरवार समाज), डॉ. अमीर चंद्र सोनकर (सोनकर समाज), श्री विजय भावे (महाराष्ट्र समाज) और अन्य प्रमुख समाजों के नेता कथा के यजमान होंगे। साथ ही, श्रीराम कथा के दौरान, समरसता और समानता की भावना को बढ़ावा देने के लिए सभी समाजों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, जो इस धार्मिक आयोजन को एकता का प्रतीक बनाएगा। जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी महाराज का आगमन प्रातः सड़क मार्ग से होगा और इस आयोजन के लिए आयोजन समिति अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र जामदार, सचिव श्री अखिल मिश्रा, स्वागत समिति अध्यक्ष श्री गुलशन माखीजा और समरसता सेवा संगठन के सदस्य उपस्थित रहेंगे। सभी धर्मालंबियों से इस धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होने की अपील की गई है, ताकि वे पुण्य लाभ अर्जित कर सकें।

वादी के नाम में विभिन्नता स्वीकार, रेलवे को वाद व्यय देने के आदेश

जबलपुर। पति की मृत्यु के बाद अंतिम निपटारे की राशि प्राप्त करने के लिए न्यायालय की शरण में गई वादिनी के पक्ष में न्यायाधीश रिशा कुरैशी के न्यायालय ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। न्यायालय ने वादिनी के नाम में विभिन्न दस्तावेजों में मौजूद भिन्नता को स्वीकार करते हुए यह घोषित किया कि सरनेम परिवर्तन के कारण अलग-अलग नाम दिखाई दे रहे हैं, लेकिन वे सभी नाम एक ही महिला के हैं। इसके साथ ही न्यायालय ने पश्चिम मध्य रेलवे को संपूर्ण वाद व्यय वहन करने का आदेश भी पारित किया है। परिवाद के अनुसार वादिनी के पति पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल में टेक्नी-वन के पद पर कार्यरत थे, जिनकी मृत्यु दिनांक 15 जुलाई 2024 को हो गई थी। पति की मृत्यु के पश्चात वादिनी द्वारा अंतिम निपटारे की राशि प्राप्त करने की प्रक्रिया शुरू की गई, लेकिन रेलवे विभाग ने वादिनी के विभिन्न दस्तावेजों में नाम की भिन्नता होने का हवाला देते हुए उन्हें न्यायालय से आधिकारिक घोषणा (डिक्लेरेशन) प्राप्त करने के निर्देश दिए। प्रतिवादी पश्चिम मध्य रेलवे की ओर से जवाब प्रस्तुत करते हुए कहा गया कि वादिनी के विवाह के संबंध में उनके कार्यालय में कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं है। साथ ही यह भी तर्क दिया गया कि वादिनी के एक से अधिक नाम हैं और इस संबंध में मृतक कर्मचारी द्वारा रेल प्रशासन को कोई सूचना नहीं दी गई थी। रेलवे ने यह भी कहा कि जब तक यह स्पष्ट रूप से प्रमाणित नहीं हो जाता कि सभी नाम एक ही महिला के हैं और वह स्व. रूपेश कुमार पिल्ले की वैध पत्नी हैं, तब तक जमा राशि के भुगतान का अनुमोदन नहीं दिया जा सकता। इसी आधार पर रेलवे ने वाद खारिज किए जाने का निवेदन किया था।वादी की ओर से अधिवक्ता शिवम गुप्ता ने पैरवी की।

ईद मिलन कार्यक्रमों से बढ़ती है सद्भावना: नवेद

जबलपुर। मुस्लिम धर्मावलंबियों के शांति और प्रेम का पवित्र पर्व ईद के उपरांत शहर में जगह-जगह ईद मिलन कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। इसी कड़ी में नया मोहल्ला स्थित बंद कुआं में समाजसेवी हाजी नवेद नाजिम द्वारा ईद मिलन का कार्यक्रम बाबा मेराज अहमद जमाली, पीर बाबा कटनी के अध्यक्ष तनवीर खान तन्नू, समाजसेवी रईस वली, हाजी तौसीफ रजा, मतीन अंसारी, पठान समाज के सरदार हाजी मुईन खान, कुरैशी समाज के सरदार अमीन कुरैशी, हाजी निजामुद्दीन कुरैशी, हाजी कदीर पहलवान की अतिथि में आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हाजी नवेद नाजिम ने कहा कि ईद मिलन से मुल्क में आपसी सद्भाव, प्रेम और भाईचारा कायम रहता इससे देश में अमन, चैन शांति और तरक्की होती हैं। इस अवसर पर पार्षद गुड्डू नबी, इश्तियाक अंसारी, शाबान मंसूरी, हाजी सलीम बून, हाजी सादिक खान, डॉ. मकबूल बाबा, मुबारक कादरी, अरशद कादरी, पत्रकार रफीक खान, तारिक रजा, अशरफ खान, मुन्ना मास्टर, यासीन खान, फैजान कुरैशी, ताज उस्मानी, पत्रकार अशफाक आरिफ, निजाम खान आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। तदोपरांत देश में सद्भावना, अमन, चैन, शांति की सामूहिक रूप से दुआ की गई। कार्यक्रम संयोजक मो.बिलाल नाजिम, जुनेद नाजिम ने सभी उपस्थितजनों को इत्र भेंट कर स्वागत व आभार व्यक्त किया।

सुरों में साधना भजन संध्या का आयोजन आज

जबलपुर। नगर की सांस्कृतिक संस्था ममत्व संगीत समिति द्वारा आज रविवार को सायं 6:30 बजे से दत्त मंदिर स्थित अनुसूया हॉल, गोलबाजार में भजन संध्या "सुरों में साधना" का आयोजन किया जा रहा है। इस भजन संध्या में फिल्मी भजनों के साथ-साथ संत कबीर, रहीम, मीरा, सूरदास, रसखान आदि महान संतों एवं कवियों की रचनाओं पर आधारित भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। संस्था के संयोजक दीपक पचौरी ने बताया कि यह आयोजन केवल एक सांगीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और अंतर्मन से जुड़ने का एक प्रयास है। संस्था ने समस्त श्रद्धालुओं, संगीत प्रेमियों एवं नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थिति की अपील की है।

डिजिटल जबलपुर: 11वीं के छात्र अभिवीर ने बनाया 'महापौर हेल्पलाइन' एप

जबलपुर। शहर के युवा अब तकनीक के माध्यम से नगर व्यवस्था को सशक्त बनाने में आगे आ रहे हैं। इसी कड़ी में 16 वर्षीय छात्र अभिवीर सिंह ने 'महापौर हेल्पलाइन' नामक मोबाइल एप विकसित कर नगर निगम जबलपुर को निःशुल्क भेंट किया। नगर निगम मुख्यालय में आयोजित बैठक में यह एप महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू और निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार को सौंपा गया। एप का उद्देश्य नागरिक सेवाओं को पारदर्शी, जवाबदेह और त्वरित बनाना है। इस एप के माध्यम से नागरिक अपनी शिकायतें दर्ज कर सकेंगे, उनकी स्थिति ट्रैक कर पाएंगे और तय समय सीमा में समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। एप में स्वच्छता, सीवरेज, स्ट्रीट लाइट, सड़क निर्माण, जल आपूर्ति, उद्यान रखरखाव, सार्वजनिक शौचालय एवं कर संबंधी शिकायतों सहित कई सेवाएं शामिल की गई हैं। अभिवीर सिंह द्वारा बिना किसी शुल्क के यह एप विकसित कर सौंपना उनके शहर के प्रति सेवा भाव और नवाचार की उत्कृष्ट मिसाल माना जा रहा है।

रंगोत्सव 2026 में आज भव्य भजन कॉन्सर्ट

जबलपुर। शहर में आयोजित रंगोत्सव 2026 के अंतर्गत 5 अप्रैल को भव्य भजन कॉन्सर्ट का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में 'रहस्य – द म्यूजिकल प्रोजेक्ट' (पूर्व में साधो द बैंड) अपनी विशेष प्रस्तुति देगा। आयोजक विपुल पांडे एवं अभिषेक पटेल ने बताया कि यह आयोजन नर्मदा इवेंट्स के तत्वावधान में किया जा रहा है। ग्रुप के विदित सोनी और आयुष द्विवेदी के अनुसार यह संगीत समूह भक्ति और आधुनिक संगीत का समन्वय प्रस्तुत कर श्रोताओं को आध्यात्मिक अनुभव कराएगा। कार्यक्रम एंबियंस लॉन, गढ़ा स्टेशन के सामने शाम 6:30 बजे से रात 9:30 बजे तक आयोजित होगा। आयोजन में फूलों की होली, वीआईपी सीटिंग, आकर्षक सजावट, फूड स्टॉल के साथ साउंड, लाइट और लेजर शो भी आकर्षण का केंद्र रहेंगे। आयोजकों ने शहरवासियों से इस संगीतमय भक्ति संध्या में शामिल होकर रंगोत्सव का आनंद लेने की अपील की है।

वायु प्रदुषण बन चुका है घातक स्वास्थ्य संकट

जबलपुर। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर जन स्वास्थ्य अभियान मध्यप्रदेश द्वारा प्रेमानंद आश्रम जिलहरीघाट में व्यवसायिक एवं पर्यावरणीय स्वास्थ्य पर प्रभाव को लेकर परिचर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम में जन स्वास्थ्य इंडिया के राष्ट्रीय संयोजक अमुल्य निधि ने अपने उद्बोधन में कहा कि वायु प्रदूषण आज हमारे समय का सबसे मौन लेकिन सबसे घातक सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बन चुका है। शहर हों या गांव, हर जगह हवा में घुले अदृश्य जहरीले कण, जैसे औद्योगिक धुआं, वाहनों का उत्सर्जन, थर्मल पावर प्लांटों की राख, न्यूक्लियर पावर प्लांट से निकलने वाला रेडियोधर्मी घातक कचरा और घरेलू ईंधन का धुआं लोगों की सांसों पर भारी पड़ रहा है।जन संघर्ष मोर्चा महाकौशल के विवेक पवार ने कहा कि इंदौर में दूषित पानी के कारण 30 से अधिक लोगों की मृत्यु और 500 से अधिक लोगों के बीमार होने की घटनाएं इस संकट की गंभीरता को दर्शाती है। चुटका परमाणु विरोधी संघर्ष समिति के अध्यक्ष दादु लाल कुडापे ने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में घातक परमाणु परियोजना बना कर सरकार भोपाल गैस त्रासदी को दोहराने जा रही है। बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ के राज कुमार सिन्हा ने कहा कि वायु प्रदूषण अब भविष्य की नहीं, आज की आपदा है। एडवोकेट अंजना कुररीया, विवेक अवस्थी, अमित पांडेय, सरमन रजक, राम प्रसाद काजले, शारदा यादव ,शिव कुमार चौधरी, भुवन बर्मन, हरीओम नागेश, मनोहर लाल जाटव ने भी परिचर्चा को संबोधित करते हुए अपनी बात रखी।

गुड फ्राइडे पर सर्व ईसाई महासभा ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

जबलपुर। गुड फ्राइडे हमें त्याग, प्रेम और मानव सेवा का संदेश देता है। प्रभु यीशु मसीह के दिखाए मार्ग पर चलकर हमें जरूरतमंदों की सेवा करनी चाहिए। उक्त उदगार युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष शान कुमार ने वयक्त किए।इस अवसर पर आयोजित शिविर में 30 से अधिक लोगों ने रक्तदान किया, वहीं 130 से अधिक लोगों की निःशुल्क नेत्र जांच की गई साथ ही असहाय महिलाओं एवं बुजुर्गों को राशन सामग्री वितरित की गई।इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष जैरी पॉल जी, बिशप पीटर जॉनसन, रेव्ह मलार सेल्वन, पास्टर स्टेनली सुकुमार, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष डेविड फ्रांसिस, प्रदेश अध्यक्ष विनोद चैंबर्स, सचिव डेन्ज़लि आंग्रे, प्रदेश उपाध्यक्ष आशीष सलोमान, महासचिव डेविस समाधानम, मनीष चार्ल्स, राजा बाबू, मेशक चौधरी, ममतल सालोमन, सनी राज, फ्रांसिस मरियानं, देवदानम, अखिल , शिमोन सागर, मनोज अन्थोनी सहित मसीही समाज के अन्य सदस्य विशेष रूप से उपस्थित रहे जिन्होंने कार्यक्रम के अतिथि पूर्व विधायक विनय सक्सेना, कांग्रेस शहर अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा, भाजपा नेता धीरज पटेरिया, पार्षद अग्रीश मिश्रा, पार्षद संतोष दुबे आदि का सम्मान कर आभार व्यक्त किया।

हलके बादल आये, बूंदाबांदी की संभावना

पश्चिमी विक्षोभ का दिखा असर उमस बढ़ी

जबलपुर। पश्चिमी विक्षोभ ने आसमान पर बादलों की हल्की चादर बिछाकर तापमान की बढ़त पर रोक लगाई, पर गर्मी के अहसास में कोई कमी नहीं आई। बादलों के छंटने के बाद तापमान तेजी से बढ़ने की चेतावनी भी दी गई है। पश्चिमी विक्षोप का असर दक्षिणी एवं पूर्वी मध्यप्रदेश के ऊपर है। लिहाजा रीवा और जबलपुर संभाग में बारिश होने का अनुमान लगाया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक जबलपुर संभाग के कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ भारी बर्षा हो सकती है। जबलपुर में शनिवार की दोपहर 12 बजे हलकी बूंदाबांदी हुई. बूंदाबांदी और बादलों के छाने के बाद उमस बढ़ गई थी। आसमान पर छाये बादलों की वजह से दिन के तापमान की उछाल पर लगाम कसी। शुक्रवार के मुकाबले शनिवार को पारा 2 पायदान नीचे उतरा। जबकि रात का पारा सामान्य से 3 डिग्री अधिक रहा। दक्षिणी-पूर्वी हवाओं ने गर्मी का अहसास कराया। स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले २४ घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 34.4 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री कम दर्ज किया गया, न्यूनतम तापमान 24.0 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 3 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातः काल 63 प्रतिशत और सायंकाल 53 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 5.58 बजे और सूर्यास्त शाम 6.27 बजे हुआ। प्रदेश में सबसे अधिक 39.5 डिग्री तापमान मंडला और सबसे कम 16.2 डिग्री न्यूनतम तापमान राजगढ जिले में दर्ज किया गया। जिले में दक्षिण-पश्चिमी हवायें 5 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से चलीं। अगले 24 घंटों के दौरान संभाग के कुछ स्थानों में बूंदाबांदी की संभावना व्यक्त की गई है।

घायल को घर ले जाकर सुलाया, सुबह टूटी दम

कुंडम में सड़क हादसे में जख्मी युवक की मौत

जबलपुर। कुण्डम रोड पर बीती रात हुए सड़क दुर्घटना में घायल युवक महपाल को परिजनों ने उठाकर घर में सुला दिया, शनिवार सुबह जब परिजनों ने अस्पताल ले जाने के लिए उठाया तो देखा कि मौत हो चुकी थी। घटना की खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई, जिन्होने शव को पोस्टमार्टम के लिए शासकीय अस्पताल पहुंचाकर मर्ग कर लिया है। कुंडम पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सलैया कुण्डम टहल सिंह आर्मो का बेटा महपाल सिंह मोटर साइकल से शहर किसी काम से गया था। जहां से लौटते वक्त रात को भारी वाहन की टक्कर से गंभीर चोटें आई। युवक महपाल खून से लथपथ हालत में पड़ रहा। लोगों ने पहचाना तो परिजनों को खबर दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने देखा कि महपाल के पैर व कमर में गंभीर चोटें है। परिजन उठाकर घर ले आए। शनिवार सुबह 5 बजे के लगभग महपाल दर्द से कराहने लगा, जिसपर परिजन उठाकर कुण्डम अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां पर डाक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और पूछताछ के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मर्ग कायम कर लिया है।

जबलपुर में कुर्मी क्षत्रिय समाज का राष्ट्रीय महाधिवेशन शुरू, 4000 से अधिक प्रतिनिधि शामिल

जबलपुर।

अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा के तत्वावधान में दाऊ मैरिज गार्डन, महाराजपुर बायपास में दो दिवसीय 46वां राष्ट्रीय महाधिवेशन एवं 5वां महिला महाधिवेशन का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथि पशुपालन मंत्री लखन पटेल एवं जबलपुर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई। देश के 24 राज्यों से आए प्रतिनिधियों के स्वागत में महिलाओं ने 24 कलश स्थापित कर पारंपरिक स्वागत किया। एक बालिका ने भारत माता का रूप धारण कर देशभक्ति का संदेश दिया।अपने संबोधन में अनुप्रिया पटेल ने महिलाओं के सम्मान, शिक्षा और निर्णय क्षमता को महत्व देने पर जोर दिया। उन्होंने परिवार में संवाद बनाए रखने, बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य, सोशल मीडिया के प्रभाव, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति और

शैक्षणिक दबाव पर चिंता जताई। कार्यक्रम के अंतर्गत 20वां युवक-युवती परिचय सम्मेलन भी आयोजित हुआ, जिसमें लगभग 250 विवाह योग्य युवक-युवतियों ने परिचय दिया। महाधिवेशन में राष्ट्रीय संरक्षक एलपी पटेल, राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वी.एस. निरंजन, राष्ट्रीय प्रवक्ता गणेश चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष रामखेलावन पटेल, राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष लता ऋषि चंद्राकर, युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष धीरज पाटीदार, महिला प्रदेश अध्यक्ष लता वानखेड़े, राजकुमार पटेल, विवेक चौधरी, कैप्टन ओमप्रकाश सचान, राममिलन पटेल, सुरेश पटेल, राजेश पटेल, शैलेंद्र पटेल सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। आयोजकों के अनुसार अधिवेशन में देशभर से 4000 से अधिक सामाजिक बंधु शामिल होकर समाज की एकता और प्रगति पर चर्चा करेंगे।

गौरीघाट रोड पर प्याऊ का शुभारंभ

जबलपुर। हमारी सनातन परंपरा "प्यासे को पानी पिलाना सर्वाधिक पुण्य कार्य" का अनुसरण करते हुए रोटरी क्लब जबलपुर साउथ द्वारा गौरीघाट रोड पर स्थित नवज्योति नशामुक्ति केन्द्र के समक्ष 'प्याऊ' का शुभारंभ किया गया। प्रेरणास्रोत अरुणकान्त अग्रवाल ने केन्द्र के संचालक हेमन्त सोलंकी के सामयिक सहयोग की प्रशंसा करते हुए व्यक्त किया कि 05 अप्रैल से समीप ही प्रारंभ होने वाले नौदिवसीय रामकथा आयोजन में उपस्थित होने वाले वृहत जनसमुदाय के लिए यह एक आवश्यक और लाभकारी कदम है। कथा आयोजन समिति के स्वागताध्यक्ष डॉ. जितेंद्र जामदार तथा सचिव पूर्व प्रांतपाल अखिल मिश्र ने इस प्याऊ स्थापना की उपयोगिता प्रतिपादित करते हुए हर्ष व्यक्त किया और क्लब अध्यक्ष सारंग भिड़े व क्लब सचिव अखिल खण्डेलवाल द्वारा की गई पहल की सराहना की। इस अवसर पर क्षेत्रीय पुलिस निरीक्षक, आशीष गुप्ता, राकेश गिदरौनिया, नरेंद्र बतरा सहित अनेक सदस्यों की उपस्थिति उत्साहवर्धक थी।

होम्योपैथिक जनजागरण रैली निकालकर किया जागरूक

जबलपुर। महात्मा गांधी होम्योपैथिक मेडीकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल जबलपुर द्वारा होम्योपैथी जन-जागरण कार्यक्रम के अंतर्गत 04 अप्रेल को धनी की कुटिया से आधारताल तक जागरूकता रैली का आयोजन कियास गया। बताया गया 10 अप्रेल को हैनीमेन जयंती के उपलक्ष्य में 01 अप्रेल से 10 अप्रेल तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत ग्राम बरेहवाला बरेला एवं हनुमान मंदिर आधारताल में 05 अप्रेल को स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जा रहा है

एवं अन्य दिवसों पर निबंध, स्लोगन, वाद-विवाद प्रतियोगिता जैसे अन्य कार्यक्रमों का आयोजन महाविद्यालय द्वारा किया जा रहा है। रैली के माध्यम से लोगों को होम्योपैथिक दवाइयों के संबंध में जागरूक किया गया एवं इसके फायदे की जानकारी भी उपलब्ध कराई गई। रैली में महाविद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने अहम भूमिका निभाई।

नाला निर्माण कार्य में मानक गुणवत्ता का पालन नहीं

क्षेत्र वासियों ने लगाया अनियमितता का आरोप

सिहोरा। नगर के वार्ड क्रमांक 7 मझौली बायपास रोड रूकमणि पैलेस के सामने निर्माणाधीन नाले के निर्माण में अनियमितता तथा मानक गुणवत्ता का पालन नहीं करने का आरोप क्षेत्र वासियों ने लगाया है।नाला निर्माण में ठेकेदार द्वारा की जा रही धांधली की शिकायत मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा उपसंचालक नगरीय विकास एवं आवास विभाग जबलपुर को भेजी है। क्षेत्रवासी गंगा पटेल,बल्लू पटेल,इंद्र कुमार पटेल,दल्लू पटेल ने उपसंचालक एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी को भेजी शिकायत में बताया वार्ड क्रमांक 7 में बरसाती पानी के बहाव और बरसात में वार्ड में जल भराव के लिए तीन करोड़ की लागत से कनाड़ी तक नाले का निर्माण कार्य ठेकेदार बच्चू मिश्रा द्वारा कराया जा रहा है संबंधित निर्माण के कार्य आदेश नगर पालिका प्रशासन ने 2 वर्ष पूर्व स्वीकृत किया था लेकिन नगरीय प्रसाशन की लापरवाही के चलते दो वर्ष के अन्तराल के बाद भी स्थानीय लोग वर्षा काल में जल प्लावन की समस्या से जुझने मजबूर हैं।संबंधित ठेकेदार की हठधर्मिता के चलते नाला का निर्माण कार्य विलंव से प्रारंभ करने पर नगर पालिका प्रशासन की क्रपा द्रष्टि शोध का विषय

है 2 साल बाद शुरु हुऐ नाला निर्माण में वर्क एजेंसी की उचित देखरेख न होने के कारण नाले की खुदाई मानक गहराई तक न होना बेस में मानक स्तर की रेत सीमेंट मिक्सर की फीलिंग न करना नाला की पटरी निर्माण में भी घटिया स्तर का कार्य करने का आरोप शिकायतकर्ताओं ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी से संबंधित निर्माण कार्य की जांच करवा कर गुणवत्ता कार्य पूर्ण करायें जाने की मांग की है।

अखिल भारतीय हिन्दू महासभा जबलपुर के जिला अध्यक्ष रोहित सोनकर नियुक्त

बरेला।अखिल भारतीय हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी विजय नारायण भट्ट एवं राष्ट्रीय संयोजक श्री अनिल शर्मा के द्वारा पुरवा निवासी रोहित सोनकर को जबलपुर जिला का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। रोहित सोनकर के अध्यक्ष बनने से संगठन को मजबूती प्रदान होगी व साथ ही कार्यकारिणी का गठन भी किया जाएगा व आने वाले समय में संगठन पुरे जबलपुर जिला में मजबूती के साथ हिन्दू एकता के लिए कार्य करेगा । रोहित सोनकर ने अध्यक्ष बनने पर राष्ट्रीय महासचिव व मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ प्रभारी राजेन्द्र सिंह कटहा रीवा का आभार व्यक्त कर संगठन के प्रति पूरी इमानदारी के साथ कार्य करनेकी भावना व्यक्त की।

जीआरपी ने नाबालिगों को परिजनों के सुपुर्द किया

जबलपुर। "कार्यवाही मुस्कान अभियान के अंतर्गत" थाना जीआरपी जबलपुर को जीआरपी कंट्रोल रूम जबलपुर से सूचना प्राप्त हुई की ट्रेन 11402 में दो नबालिग लड़का-लड़की घर से भागकर जा रहे हैं जिनकी पता तलाश हेतु प्र.आर. 253 वीरन महोबिया आर. 157 अमर धुर्वे म.नव.आर. 44 आस्था को ट्रेन अटैंड करने हेतु पाबंद किया गया था, लड़का-लड़की मिलने पर थाना लाये बाद परिजनों से संपर्क कर पता चला कि बालिका अंशु कुमारी पिता रंजीत साहनी उम्र 16 साल निवासी ग्राम भोरेजयराम थाना खानपुर जिला समस्तीपुर बिहार द्वारा थाना खानपुर में अपहरण का केस दर्ज कराया है, बाद थाना खानपुर से संपर्क कर जीआरपी थाना जबलपुर आने को कहा गया थाना खानपुर से सउनि अनिल कुमार, म.आर. 763 कंचन कुमारी, आर. 1241 रंजन कुमार एवं बालिका अंशु कुमारी के चाचा अजीत कुमार पिता नाथु साहनी उम्र 29 साल निवासी ग्राम भैरोजयराम थाना खानपुर जिला समस्तीपुर बिहार थाना उपस्थित आये, जहां समक्ष गवाहान परिवारजन व म.आर. 763 कंचन कुमारी थाना खानपुर की उपस्थिति में सउनि अनिल कुमार थाना खानपुर जिला समस्तीपुर को मय सुपुर्दनामा पत्रक के सुपुर्द किया गया।

27वें मेडिसिन अपडेट 2026 वार्षिक सम्मेलन का पहले दिन का सफल आयोजन

जबलपुर। एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस ऑफ इंडिया, जबलपुर चैप्टर द्वारा आयोजित 27वें मेडिसिन अपडेट 2026 वार्षिक सम्मेलन का पहला दिन होटल विजन महल में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में चिकित्सकों और स्वास्थ्य पेशेवरों ने हिस्सा लिया और चिकित्सा क्षेत्र के नवीनतम अपडेट्स पर चर्चा की।

सम्मेलन की शुरुआत डॉ. नवीन शर्मा (अध्यक्ष, एपीआई जबलपुर) के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने सम्मेलन के उद्देश्यों और महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के शैक्षणिक कार्यक्रम चिकित्सकों को नवीनतम

चिकित्सा ज्ञान और तकनीकी अपडेट्स से अवगत कराते हैं। डॉ. अखिलेश तिवारी (सचिव, एपीआई जबलपुर) ने कार्यक्रम के एजेंडे का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया और सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। सम्मेलन के पहले दिन विभिन्न विषयों पर उच्च-स्तरीय वैज्ञानिक सत्र आयोजित किए गए, जिनमें प्रतिष्ठित राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए। इनमें शामिल थे - डॉ. राघव बंसल, हृदय रोग विशेषज्ञ (गुरुग्राम), डॉ. पीयूष ओझा, न्यूरोलॉजिस्ट (नई दिल्ली), डॉ. देबदत्ता मुखर्जी, नेफ्रोलॉजिस्ट (गुरुग्राम), डॉ. विद्युत कुमार जैन, हृदय रोग विशेषज्ञ (इंदौर), डॉ. सुनीत लोकवानी, ऑन्कोलॉजिस्ट (इंदौर)। इन सत्रों में आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों, नवीन शोध, निदान के तरीकों और उपचार की नवीनतम विधियों पर चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने चिकित्सकों को नैदानिक अभ्यास में आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान पर मूल्यवान मार्गदर्शन प्रदान किया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में चिकित्सकों, स्नातकोत्तर छात्रों और स्वास्थ्य पेशेवरों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजकों ने घोषणा की कि सम्मेलन का दूसरा दिन भी विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित रहेगा। दूसरे दिन के उद्घाटन समारोह में मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री, जगदीश देवड़ा और जबलपुर के माननीय सांसद, आशीष दुबे उपस्थित होंगे। इसके साथ ही डॉ. नवनीत सक्सेना (डीन, मेडिकल कॉलेज जबलपुर) और डॉ. ऋचा शर्मा (अध्यक्ष, आईएमए जबलपुर) विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।

नृसिंह घाट पर की ध्यान एवं सामूहिक योग साधना

सिहोरा। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के द्वारा जल स्रोत समागम कार्यक्रम के तहत नवांकुर संस्था स्व सेवा संयोजन समिति के तत्वाधान में सिहोरा नगर की जीवनदायनी हिरन नदी का पूजन अर्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। ध्यान में जल की छवि का प्रयोग अनंत प्रवाह के प्रतीक के रूप में किया जाता है जो अवरोधों को भेदकर आंतरिक शांति और उपचार प्रदान करता है। इस प्रवाह को प्राप्त

करने का इससे बेहतर तरीका क्या हो सकता है कि कल्पना को वास्तविकता में बदलकर जल ध्यान किया जाए जिससे मन,शरीर और आत्मा को नई ऊर्जा मिले? जल ध्यान की शक्ति को बढ़ा सकता है और भारहीनता की भावना को प्रोत्साहित करता है। यह कार्यक्रम घनश्याम बर्मन के नेतृत्व में संचालन वीरेंद्र पाटकर के द्वारा किया गया। आर के नायक,रामकुमार सेन,विश्वेश्वर पटेल,निरंजन पटेल,राजेश नेमा,पार्षद बेबी विनय पाल,सुषमा गौतम,भावना गौतम,आकांक्षा गर्ग,कल्पना कुशवाह,नीतू साहू,दिव्य साहू,निशा वंशकार लवली वंशकार शुभम कुशवाहा नीतू साहू उपस्थित थी। समिति की सचिव सारिका साहू द्वारा सभी का आभार किया गया।

इलेक्ट्रिक रीपर मशीन से गेहूं कटाई का प्रदर्शन, लागत घटाने पर जोर

जबलपुर। जिले के ग्राम खजरी खरिया में किसानों के बीच इलेक्ट्रिक रीपर मशीन से गेहूं की कटाई का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर राघवेंद्र सिंह भी उपस्थित रहे। उन्होंने स्वयं मशीन चलाकर इसकी कार्यप्रणाली देखी और किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित किया। कृषक सचिन पटेल के खेत में हुए इस प्रदर्शन में उप संचालक कृषि डॉ. एस.के. निगम, एसडीएम अभिषेक सिंह एवं प्रोफेसर मोनी थॉमस भी मौजूद रहे। प्रदर्शन के दौरान बताया गया कि बैटरी से संचालित यह इलेक्ट्रिक रीपर मशीन मात्र 10 रुपये प्रति एकड़ की लागत में फसल कटाई कर सकती है और एक घंटे में लगभग एक एकड़ क्षेत्र की कटाई करने में सक्षम है। यह मशीन गेहूं के साथ-साथ चना और मक्का जैसी फसलों की कटाई भी आसानी से कर सकती है। मशीन एक बार चार्ज होने पर 5 से 6 घंटे तक कार्य करती है और इसकी बैटरी लगभग 5 घंटे में पूर्ण चार्ज हो जाती है। करीब 180 किलोग्राम वजनी इस मशीन की कीमत लगभग 2.20 लाख रुपये है। इसमें कटर संचालन, स्पीड नियंत्रण और दिशा परिवर्तन के लिए सरल बटन एवं लीवर दिए गए हैं, जिससे इसका उपयोग किसानों के लिए आसान हो जाता है।

निधन

श्री सुरेंद्र कोरी- गोरखपुर जार्ज डिसल्वा वार्ड निवासी श्री सुरेंद्र कोरी (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री ज्ञानी सिंह- नई बस्ती झंडा चौक गौरीघाट निवासी श्री ज्ञानी सिंह (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री जगदीश यादव- सेठ गोविंददास वार्ड बड़ी संतोषी माता मंदिर के पास निवासी श्री जगदीश यादव (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री गोपाल प्रसाद पांडे- चंपानगर मानेगांव रांझी निवासी श्री गोपाल प्रसाद पांडे (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सरस्वती बाई रजक- छोटा फुहारा दक्षिण मिलौनीगंज निवासी श्री राम सेवक रजक की धर्मपत्नी श्रीमती सरस्वती बाई रजक (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री उमेश सोनी- नई बस्ती फेस 1 तिलहरी निवासी श्री उमेश सोनी (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राम किशोर ताम्रकार- सुभाष टाकीज के पीछे तमरहाई निवासी राम किशोर ताम्रकार (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सरोज गुप्ता- आनंद कॉलोनी बल्देवबाग निवासी श्री शिव नारायण गुप्ता की धर्मपत्नी श्रीमती सरोज गुप्ता (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती इतरवारी बाई चक्रवर्ती- भानतलैया विद्यापीठ स्कूल के पीछे निवासी श्री कुंदन लाल चक्रवर्ती की धर्मपत्नी श्रीमती इतवारी बाई चक्रवर्ती (94) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री सरयू प्रसाद पांडेय- कचनार सिटी विजयनगर निवासी श्री सरयू प्रसाद पांडेय (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री ईश्वरी रैकवार- लालमाटी चांदमारी पंचशील स्कूल के पास निवासी श्री ईश्वरी रैकवार (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती फूला बाई पटेल- संजय नगर अधारताल निवासी श्री दयाराम पटेल की धर्मपत्नी श्रीमती फूला बाई पटेल (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री विनोद साहू- शारदा विहार करमेता निवासी श्री चतुर्भुज साहू के पुत्र श्री विनोद साहू (38) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री प्रेम लाल श्रीवास- गोपाल होटल सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री प्रेरम लाल श्रीवास (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती पद्मलता चौबे- पत्रकार कॉलोनी रानीताल निवासी शंभू दयाल चौबे की धर्मपत्नी श्रीमती पद्मलता चौबे (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रविशंकर सेन- साहू मोहल्ला सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री राम प्रसाद सेन के पुत्र श्री रविशंकर सेन (38) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

भीषण गर्मी में स्कूलों की समय-सारिणी बदलने की मांग

बरेला। नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के साथ ही बढ़ती गर्मी को देखते हुए विद्यालयों के समय में बदलाव की मांग उठने लगी है। "स्कूल चले हम" अभियान के तहत शालाएं शुरू हो चुकी हैं, लेकिन लगातार बढ़ते तापमान के कारण छोटे बच्चों को स्कूल आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने कलेक्टर से विद्यालयों को सुबह की पाली में संचालित किए जाने की मांग की है, ताकि बच्चों और शिक्षकों को भीषण गर्मी से राहत मिल सके। संघ का कहना है कि वर्तमान मौसम को देखते हुए यदि समय में बदलाव नहीं किया गया, तो बच्चों की उपस्थिति प्रभावित हो सकती है। साथ ही अभिभावकों की चिंता भी बढ़ रही है। इस मांग को लेकर शहजाद सिंह द्विवेदी, दालचंद पासी, रजनीश कुमार पाण्डेय, रामदास बरकड़े, शुभसंदेश सिंगौर, निर्मल लोधी, अंशुल साहू, सतीश बरकड़े, बृजेश दीक्षित, अजय दुबे, सतीश उपाध्याय, मनोज सिंह, शेर सिंह, मुकेश मेहरा, गणेश त्रिपाठी, उमेश द्विवेदी, बी.एस. ठाकुर, कपिलधर दुबे, प्रदीप मिश्रा, सहित कई सदस्यों ने मुख्यमंत्री से भी इस विषय में संज्ञान लेकर आवश्यक निर्णय करने की मांग की है।

CHANGE OF NAME

I, WAS KNOWN AS GULJAR SINGH I, HAVE CHANGED MY NAME AND HENCEFORTH I, SHALL BE KNOWN AS GULJAR SINGH LAKHANPAL S/O MUKHTYAR SINGH R/O 209, IDIYAL ENCLAVE, HATHITAL,GUPTESHWAR, JABALPUR (M.P.) 482001.

CHANGE OF NAME

I, WAS KNOWN AS SWIKRITI MASIH AFTER MARRIAGE I, HAVE CHANGED MY NAME AND HENCEFORTH I, SHALL BE KNOWN AS SWIKRITI ROYDEN DAS W/O ROYDEN ANKIT DAS RESIDENT OF UNIT NO. 6, BLOCK B, AADHYA HILLS, RANI-LAXSHMI BAI WARD, JABALPUR (M. P.) 482001.

नाम परिवर्तन सूचना

मैं, रिचा राजपूत उम्र 48 वर्ष पति श्री किरन प्रकाश राजपूत निवासी म.नं. 2368, बेदी नगर, नागपुर रोड, जबलपुर (म.प्र.) की स्थायी निवासी हूँ। मेरी 10 वी कक्षा की अंकसूची में मेरा नाम रुबी भसीन (Ruby Bhasin) अंकित है, मेरे विवाह के बाद मेरे ससुराल में पारिवारिक सहमति से मेरा नया नाम रिचा राजपूत (Richa Rajput) है। मेरे आधार कार्ड, पेन कार्ड इत्यादि में मेरा नाम रिचा राजपूत ही अंकित है, जो कि सही है।

विवाह पश्चात नाम/नया नाम/वर्तमान नाम
रिचा राजपूत (Richa Rajput)
विवाह पूर्व नाम / पुराना नाम -
रुबी भसीन (Ruby Bhasin)

नगर पालिक निगम, जबलपुर

सभागीय कार्यालय क्रं. 11 राज गोकुलदास

मैं अनुरूद्ध प्रसाद विश्वकर्मा आत्मज स्व. मोती लाल विश्वकर्मा मकान न 217 पोस्ट आफिस टेमर भीटा वार्ड 66 जबलपुर मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के अधीन भूमि / भवन या उसके किसी भाग या अंश में हक के अन्तरण (टेक्स रशीद में नाम परिवर्तन) की सूचना देता हूं। सुसंगत जानकारी निम्नलिखित अनुसार है -

1. वर्तमान मे नाम कर दाता का नाम- स्व : मोती लाल विश्वकर्मा 2. परिवर्तन नाम- अनुरूद्ध प्रसाद विश्वकर्मा आत्मज स्व. मोती लाल विश्वकर्मा अवस्थिति - वार्ड क्रमांक- 66 वार्ड का नाम 'रानी लक्ष्मी वाई , टेक्स क्रमांक- 1000390128 है।

टीप- जिस किसी को उक्त संपत्ति कर में नाम परिवर्तन में आपत्ति हो वह नगर निगम जबलपुर में संपर्क करें।

व्यवस्था की लापरवाही या गृह क्लेश की भेंट चढ़ी एक ज़िंदगी

बाणसागर में अग्नि-कांड: सनक, सुलगता गुस्सा और फिर सब राख!

पत्नी की ना ने सुलगाई मौत की चिंगारी

शहडोल।

कहते हैं कि गुस्सा इंसान की अक्ल खा जाता है, लेकिन बाणसागर के वार्ड नंबर 9 में इस गुस्से ने न केवल एक परिवार को उजाड़ दिया, बल्कि एक हंसते-खेलते युवक को लिविंग टॉर्च (जिंदा मशाल) बनाकर मौत के घाट उतार दिया। बाणसागर में हुई इस रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना ने पूरे जिले को हिलाकर रख दिया है। एक पत्नी का साथ चलने से इनकार करना पति को इस कदर नागवार गुजरा कि उसने खुद को आग के हवाले कर दिया। सवाल यह है कि क्या यह सिर्फ एक पति-पत्नी का विवाद था, या फिर इसके पीछे कोई और किरदार था जो इस आग में घी डालने का काम कर रहा था?

विवाद से थाने तक... और फिर श्मशान की राह!

घटनाक्रम किसी फिल्मी थ्रिलर से कम नहीं है, लेकिन इसका अंत बेहद वीभत्स रहा। 2 अप्रैल की शाम, रवि कचेर उम्र 33 वर्ष और उसकी पत्नी ज्योति के बीच मामूली बात पर तकरार शुरू हुई। विवाद इतना बढ़ा कि मामला थाने की चौखट तक जा पहुंचा। पुलिस ने रिपोर्ट तो लिखी, लेकिन शायद वह उस सुलगते बारूद को नहीं पहचान पाई जो रवि के दिमाग में भर चुका था। मारपीट के डर से डरी-सहमी ज्योति अपने घर न जाकर एक अन्य महिला के घर शरण लेने चली गई। उसे क्या पता था कि यही सुरक्षा की तलाश, रवि के लिए सुसाइड पॉइंट बन जाएगी।

नहीं चलोगी, तो जल जाऊंगा

देर रात जब सन्नाटा पसरा था, तब रवि कचेर हाथ में पेट्रोल की कुप्पी लेकर उस महिला के घर पहुंचा जहां उसकी पत्नी ठहरी थी। चश्मदीदों के मुताबिक, मंजर बेहद खौफनाक था। रवि चिल्ला रहा था, दबाव बना रहा था, मेरे साथ चलो वरना मैं खुद को खत्म कर लूंगा। अहंकार और सनक का वह मंजर देखिए कि पत्नी ने इनकार किया और रवि ने खुद पर पेट्रोल उड़ेल लिया। माचिस की एक तीली ने उसे आग का गोला बना दिया। लोग देखते रहे, चिल्लाते रहे और एक जिंदा इंसान चंद सेकंडों में कोयला बनने की कगार पर पहुंच गया। रीवा के संजय गांधी मेडिकल कॉलेज से लेकर नागपुर तक के सफर में रवि की सांसें उखड़ती रहीं और आखिरकार रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया।

क्या कोई और बुन रहा था साजिश

मरने से पहले रवि ने जो बयान दिया, उसने इस पूरी आग में साजिश का एंगल जोड़ दिया है। रवि ने आरोप लगाया कि उसकी पत्नी को एक स्थानीय महिला लगातार भड़का रही थी। वह उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रही थी। अब सवाल यह उठता है कि क्या वह महिला वाकई घर बसाने में मदद कर रही थी या फिर घर उजाड़ने का खेल खेल रही थी, आखिर क्यों एक बाहरी व्यक्ति के दखल ने एक घर को मलबे में तब्दील कर दिया?

चक्का जाम और पुलिस का भरोसा

रवि की मौत की खबर जैसे ही बाणसागर पहुंची, इलाके में उबाल आ गया। आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने चक्का जाम कर दिया। सडक़ पर बैठकर लोगों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। पुलिस हमेशा की तरह जांच का झुनझुना थमा रही है। अधिकारियों का कहना है कि हर पहलू की जांच होगी।

लेकिन जनता पूछ रही है कि जब शिकायत थाने पहुंची थी, तब क्या पुलिस ने गंभीरता दिखाई? क्या उस तीसरी कड़ी (भडक़ाने वाली महिला) की भूमिका की जांच पहले नहीं होनी चाहिए थी?

सनक और सिस्टम का तालमेल

यह घटना केवल एक आत्महत्या नहीं है, बल्कि हमारे समाज के खोखलेपन का आईना है। एक तरफ वह पति जिसकी सनक ने उसे आत्मदाह तक पहुंचा दिया, दूसरी तरफ वह पत्नी जो असुरक्षित महसूस कर रही थी, बाणसागर वार्ड 9 की यह राख अभी ठंडी नहीं हुई है। यह राख सवाल पूछ रही है, उन बिचौलियों से जो दूसरों के घरों में आग लगाते हैं और उस पुलिस प्रशासन से जो शिकायत दर्ज करने के बाद भी अनहोनी को टालने में नाकाम रहता है। अब देखना यह है कि पुलिस रवि के आखिरी बयानों पर कार्रवाई करती है या फिर यह फाइल भी अन्य फाइलों की तरह खाक में मिल जाएगी।

अमरपाटन में युवक की गला रेतकर नृशंस हत्या, शिनाख्त मिटाने का प्रयास

सतना। मैहर जिले के अमरपाटन थाना अंतर्गत इंडस्ट्रियल एरिया के पीछे मैदान में शनिवार सुबह एक युवक की खून से सनी लाश मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान राजभान कोल उर्फ गोलू कोल 23 वर्ष,निवासी जगन्नाथ मोहुरिया लालन के रूप में हुई है। हमलावरों ने युवक का गला किसी धारदार हथियार से रेत दिया था। पहचान छिपाने के उद्देश्य से उसके चेहरे को पत्थर से कुचलने का प्रयास भी किया गया। परिजनों के अनुसार,शुक्रवार शाम करीब 7 बजे राजभान बाइक से घर लौटा था,लेकिन फिर किसी का फोन आने पर वह बिना बताए घर से निकल गया। देर रात तक वापस न आने पर परिजन उसकी तलाश में जुटे थे। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी विजय सिंह परस्ते दल-बल के साथ मौके पर पहुँचे। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी मैहर अवधेश प्रताप सिंह के निर्देश पर डॉग स्क्वॉड को भी बुलाया गया। हालांकि,फिलहाल किसी संदिग्ध का सुराग नहीं मिल सका है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है।

सिर पर मंदिर रखकर नर्मदा परिक्रमा कर रहे महाराष्ट्र के प्रीतपाल

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। मध्य प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक तीर्थ स्थल अमरकंटक में एक अनोखी और प्रेरणादायक नर्मदा परिक्रमा यात्रा देखने को मिल रही है। महाराष्ट्र के पुणे निवासी प्रीतपाल (उम्र लगभग 40 वर्ष) मां नर्मदा की भक्ति में लीन होकर अपने सिर पर काष्ठ से निर्मित मंदिर रखकर पैदल परिक्रमा कर रहे हैं। इस विशेष मंदिर में त्रिदेव ब्रह्मा, विष्णु और महेश के साथ मां नर्मदा की प्रतिमा विराजित है। उन्होंने अपनी परिक्रमा यात्रा ओंकारेश्वर धाम से प्रारंभ की थी और लगभग चार महीने की कठिन पदयात्रा के बाद अब अमरकंटक पहुंच चुके हैं। अमरकंटक में माई की बगिया पहुंचकर उन्होंने विधिवत पूजन-अर्चन, आरती एवं तट-जल परिवर्तन की प्रक्रिया पूर्ण की और मां नर्मदा के दक्षिण तट से अपनी आगे की यात्रा पुनः प्रारंभ कर दी है। प्रीतपाल एक हाथ में दंड और कमंडल धारण किए, हंसते-मुस्कुराते हुए भजन-कीर्तन करते निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। उनकी यह तपस्या, उत्साह और अटूट श्रद्धा मार्ग में मिलने वाले लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रही है।

15 वर्षीय नाबालिग बनी मां, नवजात बच्चे का पिता महज 17 वर्ष का

सिस्टम हुआ बेपरवाह, डीएनए टेस्ट के लिए 7 घंटे भटकते रहे परिजन

स्वास्थ्य अधिकारी के बिगड़े बोल

अनूपपुर जिले के जैतहरी क्षेत्र में 15 वर्षीय नाबालिग लड़की द्वारा नवजात को जन्म देने का मामला सामने आया है, जिसने न केवल सामाजिक चिंता बढ़ाई बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल भी खोल दी है। जिला अस्पताल में महिला डॉक्टर के अभाव में डीएनए टेस्ट के लिए परिजन और पुलिस घंटों भटकते रहे है, वहीं जिम्मेदार स्वास्थ्य अधिकारी का असंवेदनशील रवैया आग में घी डालने जैसा रहा है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

मामला पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ के जिला पेंड्रा-गौरेला मरवाही जिले से जुड़ा है, जहां 17 वर्षीय नाबालिग युवक और 15 वर्षीय लड़की के बीच प्रेम संबंध बना और नजदीकी संबंधों के चलते लड़की गर्भवती हो गई, जिसके बाद बदनामी के डर से उसकी मां उसे अनूपपुर जिले के जैतहरी क्षेत्र में एक किराए के मकान में लेकर आ गई, यहीं लड़की ने घर पर ही नवजात शिशु को जन्म दिया है। हालांकि प्रसव के बाद मां और बच्चे की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें जिला अस्पताल लाया गया, जहां मां की हालत में सुधार हुआ लेकिन नवजात की स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद महिला उपनिरीक्षक द्वारा मामले में जांच शुरू की गई और जीरो पर कायमी की गई है। लेकिन असली सवाल तब खड़े हुए जब डीएनए टेस्ट के लिए महिला डॉक्टर की जरूरत पड़ी और जिला अस्पताल में कोई उपलब्ध नहीं था। करीब 7 घंटे तक पुलिस और परिजन इधर-उधर भटकते रहे, वहीं जिम्मेदार अधिकारी का गैरजिम्मेदाराना बयान स्वास्थ्य व्यवस्था की संवेदनहीनता को उजागर करता है।

नाबालिग संबंध से जन्मा बच्चा, गंभीर मामला

पूरा मामला दो नाबालिगों के प्रेम संबंध से जुड़ा है, जिसने अब कानूनी और सामाजिक दोनों ही स्तर पर गंभीर स्थिति पैदा कर दी है। 15 साल की उम्र में गर्भवती होना और फिर घर पर प्रसव कराना, इस पूरे घटनाक्रम में परिवार की भूमिका भी सवालों के घेरे में है।

जिला अस्पताल में बदहाल व्यवस्था

जिला अस्पताल में महिला डॉक्टर की अनुपस्थिति ने पूरे सिस्टम की पोल खोल दी है। डीएनए टेस्ट जैसे संवेदनशील मामले में भी बुनियादी व्यवस्था न होना स्वास्थ्य विभाग की बड़ी विफलता है। परिजन और पुलिस स्टाफ घंटों भटकते रहे, लेकिन जिम्मेदारों ने समय पर व्यवस्था नहीं की ऊपर से जिम्मेदार अगर जवाब दे कि महिला डॉक्टर के न रहने से किसी की मौत तो नहीं हुई है न अभी।

जिम्मेदार अधिकारी के बिगड़े बोल

जब प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी से इस गंभीर मामले में सवाल किया गया तो उनका जवाब और भी चौंकाने वाला था। "कोई मरा तो नहीं" जैसे गैरजिम्मेदाराना बयान ने यह साफ कर दिया कि जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग संवेदनशीलता खो चुके हैं। ऐसे रवैये ने लोगों में आक्रोश पैदा कर दिया है।

कब खुलेगी प्रशासन की नींद?

आखिरकार दबाव बढ़ने पर जैतहरी से महिला डॉक्टर बुलाकर डीएनए टेस्ट कराया गया, लेकिन सवाल यही है कि क्या हर बार ऐसे ही दबाव के बाद व्यवस्था सुधरेगी? जिम्मेदारों की लापरवाही और असंवेदनशीलता से यह साफ है कि सिस्टम तभी जागता है जब हालात बिगड़ जाते हैं। अब जरूरत है कड़ी कार्रवाई और जवाबदेही तय करने की, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न दोहराई जाएं।

वयस्क मादा तेंदुए का मिला शव!

हरिभूमि न्यूज कटंगी।

वन्य प्राणियों के लिए स्वर्ग माने जाने वाले बालाघाट जिले के वन क्षेत्र से आए दिन वन्य प्राणी बाघ और तेंदुए की प्राकृतिक, आपसी संघर्ष और शिकार से मौत की घटनाएं सामने आ रही है। इस बीच आपसी संघर्ष से एक व्यस्क मादा तेंदुए की मौत की एक बड़ी घटना फिर से प्रकाश में आई है। तिरोड़ी तहसील के वन विकास निगम लामटा परियोजना के जंगल में व्यस्क मादा तेंदुए का शव मिला है। जिससे पूरे विभागीय महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। वन विकास निगम के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, शरीर पर गहरे चोट के निशान, जबड़े और अन्य अंगों पर घाव के निशान है जो प्रारंभिक तौर पर आपसी लड़ाई में मादा तेंदुए की मौत होने की तरफ इशारा कर रहे है। तेंदुए का शरीर क्षत-विक्षत होने लगा था। जिससे यह भी अनुमान लगाया जा रहा है कि शव करीब चार दिन पुराना हो सकता है। शुक्रवार की दोपहर करीब 02 बजे के आस-पास जंगल की नियमित गश्ती करने वाले वन विकास निगम के वनकर्मी ने सादाबोड़ी बीट के कक्ष क्रमांक 782 में चाकाहेटी से सिवनहेटी के बीच जंगल में मादा तेंदुए का शव देखा था। जिसके बाद वनकर्मी ने वरिष्ट अधिकारियों को सूचना दी। सूचना मिलने पर उप संभागीय प्रबंधक अनिल क्षत्रिय, वन क्षेत्रपाल लालबर्रा विजय कुमरे, वन क्षेत्रपाल दिनेश रामटेके घटनास्थल पर पहुंचे। वन अमले ने घटनास्थल को रस्सी से फेंसिग कर सील कर दिया था ताकि तेंदूए के शव के पास किसी की भी एंट्री ना हो पाए और घटनास्थल के साक्ष्य प्रभावित ना हो और ना ही साक्ष्य से किसी प्रकार की कोई छेड़छाड़ हो पाए। डिप्टी डीएम के मुताबिक तेंदुए के शव के पूरे अंग पूरी तरह से सुरक्षित है। तेंदूए का शव मिलने की जानकारी मिलते ही वन विकास निगम का अमला हरकत में आया और डॉग स्कावयड की टीम भी मौके पर पहुंची। शनिवार को दोपहर 02 बजे चिकित्सकों की टीम आने के बाद

घटनास्थल पर ही तेंदुए के शव का पीएम हुआ। अनुसूची-1 का संरक्षित प्राणी होने की वजह से राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के सख्त प्रोटोकॉल के तहत वन विभाग के वरिष्ट अधिकारियों, तिरोड़ी तहसीलदार, ग्राम पंचायत सरपंच की मौजूदगी में अंतिम संस्कार किया गया। बहरहाल, विभाग के डीएम ने प्रथम दृष्टया वन्य प्राणियों के आपसी संघर्ष के दौरान मादा तेंदुए की मौत होने की संभावना जताई गई है। घटनास्थल के आस-पास एक अन्य तेंदुए के भी साक्ष्य मिले है जिससे आपसी संघर्ष की संभावना और प्रबल हो जाती है। हालांकि पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही तेंदुए की मौत के सही कारण का पता चलेगा। गौरतलब हो कि विगत वर्ष वन परिक्षेत्र कटंगी के अलग-अलग हिस्सों में 03 तेंदुए और 02 बाघ की मौत हुई थी। 02 मार्च 2025 को कोड़मी में बाघ का शव मिला था। जिसके गले में तार का फंदा लगने से मौत हुई थी। 11 दिसंबर 2025 को आंजनबिहरी में बाघ का शव मिला था। जिसकी करंट की चपेट में आने से मौत हुई थी और शव का यहां लाकर फेंका गया था। 29 मार्च 2025 को ग्राम नंदोरा में रमेश लक्षणे के खेत में बनी खुली कुएं में गिरने से वन्य प्राणी तेंदुए की मौत हो गई थी। 03 अप्रैल 2025 को बड़पानी में नीलकंट मालेवार के खेत में बनी कुएं में तेंदुए का शव मिला था।

इनका कहना है

प्रारंभिक तौर पर आपसी संघर्ष से मादा तेंदुए की मौत का अनुमान है। चिकित्सकों की टीम ने पीएम किया है। वहीं प्रोटोकॉल के साथ अंतिम संस्कार किया गया है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण का पता चलेगा।

आर.के.सोलंकी, संभागीय प्रबंधक, वन विकास निगम

जेब में नाम-पता, फिर भी 4 दिन मर्चुरी में सड़ता रहा शव

शहडोल। अगर आप सोचते हैं कि सरकारी अस्पताल इलाज के लिए हैं, तो जिला चिकित्सालय की यह दास्तां आपकी रूह कंपा देगी। यहां जिंदा इंसान का इलाज तो भगवान भरोसे है ही, मरने के बाद लाशों के साथ जो सिस्टम खेलता है, वह किसी फिल्मी विलेन से कम नहीं। एक आदिवासी युवक की जेब में उसका नाम और पता (मुझे सिंह, निवासी विचारपुर) अपनी पहचान बता रहा था, लेकिन अस्पताल के साहबों और पुलिस की मुस्तैदी ने उसे जबरन अज्ञात की चादर ओढ़ा दी और चार दिनों तक मर्चुरी के अंधेरे में सडने के लिए छोड़ दिया।

लापरवाही की जुगलबंदीः न पता बदला, न नीयत!- 30 मार्च की रात 11 बजे, तीन-चार लोग एक लहूलुहान युवक को ओपीडी में छोडक़र रफूचक्कर हो गए। चेहरे पर चोट के निशान गवाही दे रहे थे कि मामला एक्सीडेंट का है या शायद खूनी संघर्ष का। अस्पताल स्टाफ को उसकी जेब से एक पर्ची मिली, जिस पर साफ अक्षरों में नाम और पता दर्ज था। रिकॉर्ड में नाम चढ़ा, लेकिन जैसे ही 31 मार्च को उसकी मौत हुई, फाइल का रंग बदल गया।

अस्पताल प्रबंधन और पुलिस चौकी के बीच ऐसी फिक्सिंग हुई कि पहचान वाला शख्स अचानक अज्ञात हो गया। सवाल यह है कि वह पर्ची कहाँ गई? क्या उसे सिस्टम की कमियों को छिपाने के लिए कूड़ेदान के हवाले कर दिया गया?

4 दिन तक पोस्टमार्टम का इंतजार - आश्चर्य की पराकाष्ठा देखिए कि 31 मार्च को मौत होती है और 4 अप्रैल तक लाश मर्चुरी में पड़ी रहती है। चार दिन! न पोस्टमार्टम हुआ, न शिनाख्त की कोशिश। क्या पुलिस के पास विचारपुर जाकर तस्दीक करने का समय नहीं था या फिर साहब लोग इस इंतजार में थे कि लाश खुद उठकर अपनी गवाही दे दे? सीसीटीवी फुटेज खंगालने की जहमत तक नहीं उठाई गई कि वे चार लोग कौन थे जो उसे छोडक़र भागे। यह लापरवाही नहीं, बल्कि वर्दी और सफेद कोट के पीछे छिपी वह क्रूरता है जो एक गरीब आदिवासी की जान और गरिमा को फाइल का बोझ समझती है।

तेज रफ्तार का कहर, जालेश्वर तिराहा में नई बाइक सवार ने मारी टक्कर, तीन घायल

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में शनिवार शाम एक सड़क हादसे ने लोगों को झकझोर दिया। अमरकंटक थाना क्षेत्र से लगभग 7 किलोमीटर दूर अमरकंटक-शहडोल मार्ग स्थित जालेश्वर तिराहा पर 4 अप्रैल को शाम करीब 4:30 बजे तेज रफ्तार मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर खड़ी स्कूटी से जा टकराई, जिससे तीन लोग घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार हर्राटोला पोडकी निवासी 32 वर्षीय मंगल मांझी, पिता जय राम मांझी, अपनी नई टीवीएस स्पोर्ट मोटरसाइकिल की पूजा-अर्चना कराकर अमरकंटक से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान जालेश्वर तिराहा के मोड़ पर तेज गति के कारण उनका वाहन अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे खड़े राजेंद्र ग्राम किरगी निवासी प्रिंस सोनी एवं उनकी चाची सुधा सोनी की स्कूटी से जा टकराया। बताया जा रहा है कि प्रिंस सोनी और सुधा सोनी अपने बच्चों के साथ अमरकंटक में मां नर्मदा के दर्शन-पूजन के बाद वापस लौट रहे थे और जालेश्वर तिराहा पर कुछ देर रुककर आपस में बातचीत कर रहे थे। तभी यह हादसा हो गया। हादसे में मोटरसाइकिल सवार मंगल मांझी को सिर एवं पैर में गंभीर चोटें आई हैं, वहीं प्रिंस सोनी और सुधा सोनी भी घायल हुए हैं। घटना की सूचना मिलते ही अमरकंटक पुलिस थाना का बल तत्काल मौके पर पहुंचा और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरकंटक में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार जारी है। उल्लेखनीय है कि मंगल मांझी ने 3 अप्रैल को ही नई मोटरसाइकिल खरीदी थी और अगले ही दिन पूजा कराकर लौटते समय यह दुर्घटना हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही उप निरीक्षक पी.एस. बघेल के निर्देशन में आरक्षक कृष्ण सिंह राजावत एवं आरक्षक पवन तिवारी ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य किया और सभी घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की क्षेत्रवासियों ने मुक्त कंठ से सराहना की है। यह हादसा एक बार फिर तेज रफ्तार के खतरों की याद दिलाता है और सड़क पर सतर्कता बरतने की आवश्यकता है।

हाथियों का आतंक नहीं हो रहा खत्म

मरवाही में महुआ बीन रहे वृद्ध को रौंदा, हुई मौत

अनूपपुर में भी फसलों पर हमला

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

डिंडौरी मरवाही से अनूपपुर तक हाथियों की लगातार आवाजाही अब जानलेवा साबित हो रही है। मरवाही के डडिंया जंगल में महुआ बीनने गए एक वृद्ध की हाथी के हमले में मौके पर ही मौत हो गई, वहीं दूसरी ओर अनूपपुर जिले में चार हाथियों का दल दो हिस्सों में बंटकर जंगलों में डेरा डाले हुए है और रात के समय किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा रहा है। वन विभाग सतर्क है, लेकिन ग्रामीणों की लापरवाही खतरा बढ़ा रही है। छत्तीसगढ़ के मरवाही वन मंडल अंतर्गत डडिंया गांव से लगे जंगल में शुक्रवार सुबह करीब 4 बजे एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां 55 वर्षीय त्रिलोचन सिंह महुआ बीनने जंगल पहुंचे थे। इसी दौरान एक अकेले दो दांत वाले नर हाथी ने उन पर हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। उधर, यही हाथी और उसके अन्य साथी मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले में भी सक्रिय हैं। चार हाथियों का दल दो हिस्सों में बंटकर गेढीआमा और धनगवां के जंगलों में ठहरा हुआ है। ये हाथी रात के समय गांवों के पास पहुंचकर चना और गेहूं की फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। वन विभाग लगातार निगरानी कर ग्रामीणों को सतर्क रहने की चेतावनी दे रहा है, लेकिन महुआ संग्रहण के कारण लोग जोखिम उठाकर जंगलों में जा रहे हैं, जिससे किसी भी समय और बड़ी घटना होने की आशंका बनी हुई है।

मरवाही में जानलेवा हमला

मरवाही के डडिंया जंगल में महुआ बीनने गए त्रिलोचन सिंह पर सुबह तड़के हाथी ने हमला कर दिया। बताया गया कि हाथी अचानक सामने आया और वृद्ध को संभलने का मौका तक नहीं मिला। घटना स्थल पर ही उनकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही वन विभाग, सरपंच और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। हाथी अभी भी आसपास के जंगल में मौजूद है, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है।

अनूपपुर में दो हिस्सों में बंटा हाथियों का दल

चार हाथियों का समूह डिंडौरी और मरवाही से होते हुए अनूपपुर पहुंचा, जो अब दो हिस्सों में बंट गया है। तीन हाथी राजेंद्रग्राम क्षेत्र के टिकरादूधी गांव होते हुए गेढीआमा जंगल में ठहरे हैं, जबकि एक अकेला हाथी चोलना, कुकुरगोंड़ा होते हुए धनगवां जंगल में डेरा डाले हुए है। दोनों क्षेत्रों में दिनभर हाथी विश्राम कर रहे हैं।

फसलों को भारी नुकसान, गांवों में दहशत

हाथियों ने रात के समय कई किसानों के खेतों में घुसकर चना और गेहूं की फसल को नुकसान पहुंचाया। टिकरादूधी और आसपास के गांवों में खेतों को खासा नुकसान हुआ है। हाथियों की आवाजाही गांवों के बेहद करीब तक होने से ग्रामीणों में डर का माहौल है और लोग रात में खेतों की रखवाली करने से भी डर रहे हैं।

चेतावनी के बावजूद बढ़ रहा खतरा

वन विभाग लगातार निगरानी कर रहा है और ग्रामीणों को जंगल में न जाने की हिदायत दे रहा है। इसके बावजूद महुआ संग्रहण के कारण लोग सुबह-शाम जंगल पहुंच रहे हैं। कच्चे मकानों और झोपड़ियों में रहने वाले लोग भी हाथियों के संपर्क में आने के जोखिम में हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि लापरवाही के चलते भविष्य में और भी अप्रिय घटनाएं हो सकती हैं।

निवेशकों के लिए बने कमाई का मजबूत जरिया

●

युद्ध या आर्थिक संकट के समय सक्रिय प्रबंधन आता हैकाम

बाजार की उठापटक

एक्टिव म्यूचुअल फंड्स ने दिया बढ़िया रिटर्न

बाजार की अनिश्चितता के बीच भी एक्टिव म्यूचुअल फंड्स ने यह साबित किया है कि सही रणनीति और अनुभव के दम पर बेहतर रिटर्न हासिल किया जा सकता है। हालांकि, हर निवेश में जोखिम होता है, इसलिए सोच-समझकर और अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार ही निवेश करना चाहिए। आज के समय में सबसे समझदारी भरा कदम यही है कि निवेशक एक्टिव और पैसिव दोनों का संतुलित पोर्टफोलियो बनाएं। इससे न केवल जोखिम कम होगा, बल्कि लंबी अवधि में बेहतर और स्थिर रिटर्न पाने की संभावना भी बढ़ेगी।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव कोई नई बात नहीं है। वैश्विक तनाव, महंगाई, ब्याज दरों में बदलाव और आर्थिक अनिश्चितता जैसे कई कारण बाजार को प्रभावित करते रहते हैं। ऐसे माहौल में अक्सर निवेशक असमंजस में पड़ जाते हैं कि पैसा कहां लगाया जाए। लेकिन हाल के वर्षों के आंकड़े एक अलग कहानी बताते हैं—बाजार की अस्थिरता के बावजूद एक्टिव म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों को बेहतर रिटर्न देकर उम्मीद जगाई है। पिछले तीन वर्षों में जब दुनिया ने महामारी के बाद की आर्थिक चुनौतियों, युद्ध जैसे हालात और वैश्विक मंदी के डर का सामना किया, तब भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग ने मजबूती दिखाई। खासकर एक्टिव फंड मैनेजमेंट ने निवेशकों के लिए अतिरिक्त रिटर्न पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आंकड़ों के अनुसार, बड़ी संख्या में एक्टिव फंड्स ने अपने बेंचमार्क इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन किया है, जिसे वित्तीय भाषा में "पॉजिटिव अल्फा" कहा जाता है। इसका मतलब है कि फंड मैनेजर ने बाजार से बेहतर कमाई कराई।

छोटी कंपनियों में बड़ा मौका

अगर विभिन्न कैटेगरीज पर नजर डालें तो स्मॉलकैप फंड्स ने सबसे ज्यादा आकर्षक रिटर्न दिया है। इसकी वजह साफ है—छोटी कंपनियों के बारे में जानकारी सीमित होती है और उनमें ग्रोथ की संभावनाएं ज्यादा होती हैं। ऐसे में कुशल फंड मैनेजर सही स्टॉक्स का चयन करके निवेशकों को ज्यादा फायदा दिला सकते हैं। मिडकैप और लार्जकैप फंड्स ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन इनमें प्रतिस्पर्धा ज्यादा होती है और जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होती है।

निवेशकों के लिए बने कमाई का मजबूत जरिया

●

युद्ध या आर्थिक संकट के समय सक्रिय प्रबंधन आता है काम

कठिन समय में एक्टिव मैनेजमेंट की अहमियत

जब बाजार में अनिश्चितता बढ़ती है, तब एक्टिव फंड्स की असली ताकत सामने आती है। पैसिव फंड्स जहां केवल इंडेक्स को फॉलो करते हैं, वहीं एक्टिव फंड मैनेजर के पास फैसले लेने की पूरी स्वतंत्रता होती है। वे बाजार की स्थिति के अनुसार पोर्टफोलियो में बदलाव कर सकते हैं। जैसे कि कमजोर प्रदर्शन करने वाले शेयरों से बाहर निकलना और मजबूत संभावनाओं वाले स्टॉक्स में निवेश बढ़ाना। यही लचीलापन एक्टिव फंड्स को अलग बनाता है। उदाहरण के तौर पर, जब किसी सेक्टर में गिरावट आती है, तो एक्टिव मैनेजर वहां से पैसा निकालकर दूसरे उभरते सेक्टर में निवेश कर सकते हैं। इससे जोखिम कम होता है और रिटर्न बेहतर बनने की संभावना बढ़ती है।

पैसिव फंड्स का बढ़ता ट्रेंड

हाल के वर्षों में पैसिव फंड्स यानी इंडेक्स फंड्स और ईटीएफ का चलन भी तेजी से बढ़ा है। इसकी सबसे बड़ी वजह है इनकी कम लागत। चूंकि इन फंड्स में एक्टिव मैनेजमेंट नहीं होता, इसलिए इनका एक्सपेंस रेशियो कम रहता है। विशेषज्ञों का मानना है कि लार्जकैप सेगमेंट में पैसिव फंड्स एक अच्छा विकल्प बनते जा रहे हैं। इसका कारण यह है कि बड़ी कंपनियों के बारे में सभी को जानकारी होती है, जिससे एक्टिव मैनेजर के लिए अतिरिक्त रिटर्न निकालना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में कम लागत वाले पैसिव फंड्स निवेशकों के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

एक्टिव और पैसिव का संतुलन जरूरी

निवेश के मामले में "एक ही रास्ता सही है" ऐसा नहीं होता। समझदारी इसी में है कि निवेशक अपने पोर्टफोलियो में एक्टिव और पैसिव दोनों तरह के फंड्स का संतुलन बनाए रखें। जहां एक्टिव फंड्स आपको अतिरिक्त रिटर्न का मौका देते हैं, वहीं पैसिव फंड्स स्थिरता और कम लागत का फायदा देते हैं। उदाहरण के तौर पर, आप अपने निवेश का एक हिस्सा लार्जकैप इंडेक्स फंड में रख सकते हैं और दूसरा हिस्सा मिडकैप या स्मॉलकैप एक्टिव फंड्स में लगा सकते हैं। इससे जोखिम भी संतुलित रहेगा और रिटर्न की संभावना भी बेहतर होगी।

निवेश से पहले इन बातों का रखें ध्यान

- **लंबी अवधि का नजरिया रखें :** बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य है, इसलिए निवेश को कम से कम 3-5 साल के नजरिए से देखें।
- **फंड का ट्रैक रिकॉर्ड देखें:** केवल हाल का प्रदर्शन ही नहीं, बल्कि लंबी अवधि का रिकॉर्ड भी जांचें।
- **फंड मैनेजर की रणनीति समझें:** यह जानना जरूरी है कि फंड किस तरीके से निवेश करता है।
- **डायवर्सिफिकेशन बनाए रखें :** सभी पैसे को एक ही फंड या कैटेगरी में न लगाएं।
- **नियमित निवेश (एसआईपी):** बाजार के उतार-चढ़ाव से बचने के लिए एसआईपी एक अच्छा तरीका है।

पैसों की सही समझ ही बनाएगी आपको धनवान

बेहतर लाइफ के लिए फाइनेंशियल लिटरेसी क्यों है जरूरी

फाइनेंशियल लिटरेसी सिर्फ सपने देखने तक सीमित नहीं यह बल्कि उन्हें हासिल करने की सही दिशा भी देती है

हर व्यक्ति के जीवन में कुछ लक्ष्य होते हैं। जैसे घर खरीदना, बच्चों को अच्छी शिक्षा देना या रिटायरमेंट के बाद आरामदायक जीवन जीना। इसके लिए मेहनत और कमाई जरूरी हैं, लेकिन इन लक्ष्यों को हासिल करना इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप अपने पैसों को कितनी समझदारी से संभालते हैं। यहीं पर फाइनेंशियल लिटरेसी की भूमिका अहम होती है। फाइनेंशियल लिटरेसी आपको सिर्फ सपने देखने से आगे बढ़कर उन्हें प्लान करने में मदद करती है। जैसे सिर्फ यह कहना कि 'मुझे घर खरीदना है' काफी नहीं है, बल्कि आपको यह समझना होता है कि उसकी कीमत क्या होगी, कब खरीदना है और हर महीने कितनी बचत करनी होगी।

लक्ष्य तय करते समय ध्यान रखें

- लक्ष्य स्पष्ट और समयबद्ध होना चाहिए
- उसकी अनुमानित लागत का पता होना चाहिए
- हर महीने कितनी बचत करनी है, यह तय करें
- लक्ष्य को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटें
- उदाहरण के लिए, अगर आप घर खरीदना चाहते हैं, तो उसकी कीमत, डाउन पेमेंट और समयसीमा का स्पष्ट प्लान बनाना जरूरी है।

बजट बनाना: पैसों को संभालने की सबसे जरूरी सिक बजट बनाना आपके वित्तीय जीवन की नींव है। यह आपको यह समझने में मदद करता है कि आपकी आमदनी कहां खर्च हो रही है और कहां बचत की जा सकती है।

बजट बनाने के फायदे

- खर्चों पर नियंत्रण मिलता है
- बचत की आदत विकसित होती है
- फालतू खर्च कम होते हैं
- वित्तीय लक्ष्य हासिल करना आसान होता है
- आसान बजट नियम (50-30-20)
- 50%: जरूरतें (खाना, किराया, बिल)
- 30%: इच्छाएं (घूमना, शॉपिंग)
- 20%: बचत और निवेश
- नियमित बचत, चाहे छोटी ही क्यों न हो, समय के साथ बड़ी पूंजी में बदल जाती है।

लोन और क्रेडिट कार्ड का सही इस्तेमाल

- आज के समय में लोन और क्रेडिट कार्ड आम हो गए हैं, लेकिन इनका गलत उपयोग आपको कर्ज के जाल में फंसा सकता है।
- समय पर ईएमआई और बिल का भुगतान करें
- जरूरत के अनुसार ही कर्ज लें
- क्रेडिट कार्ड का लिमिट से ज्यादा उपयोग न करें
- ब्याज दरों को समझें

ध्यान रखने योग्य बातें

- लेट पेमेंट से ब्याज तेजी से बढ़ता है
- खराब क्रेडिट स्कोर भविष्य में लोन मिलने में दिक्कत पैदा कर सकता है
- जिम्मेदारी से उपयोग करने पर क्रेडिट स्कोर बेहतर होता है

समझदारी से निवेश : पैसे को बढ़ाने का तरीका सिर्फ पैसे बचाना काफी नहीं है, उसे बढ़ाना भी जरूरी है। इसके लिए निवेश सबसे प्रभावी तरीका है।

निवेश क्यों जरूरी है

- महंगाई से बचाव
- लंबे समय में संपत्ति निर्माण
- अतिरिक्त आय का स्रोत

निवेश के विकल्प

- म्यूचुअल फंड
- शेयर बाजार
- फिक्स्ड डिपॉजिट
- पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ)
- सही निवेश का चयन आपके लक्ष्य, जोखिम लेने की क्षमता और समय अवधि पर निर्भर करता है। नियमित निवेश और धैर्य से बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है।

जोखिम से सुरक्षा: सुरक्षित भविष्य की गारंटी : जीवन में अनिश्चितताएं कभी भी आ सकती हैं। जैसे नौकरी का जाना, बीमारी या कोई अन्य आपात स्थिति। ऐसे समय में आपकी वित्तीय योजना पर असर पड़ सकता है।

सुरक्षा के जरूरी उपाय

- इमरजेंसी फंड (6–12 महीने का खर्च)
- लाइफ इंश्योरेंस
- हेल्थ इंश्योरेंस

क्यों जरूरी है सुरक्षा?

- मुश्किल समय में आर्थिक सहारा मिलता है
- परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित होती है
- आपके वित्तीय लक्ष्यों पर असर नहीं पड़ता

एक नजर में लाभ

- पैसों का बेहतर प्रबंधन
- सही निर्णय लेने की क्षमता
- तनाव में कमी
- भविष्य के लिए मजबूत आधार

यह एक जीवनशैली : फाइनेंशियल लिटरेसी सिर्फ एक स्किल नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है। यह आपको अपने पैसों के प्रति जागरूक बनाती है और सही फैसले लेने में मदद करती है। चाहे आप कितना भी कमाते हों, अगर आप उसे सही तरीके से मैनेज करना जानते हैं, तो आप अपने सभी वित्तीय लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं। कमाई से ज्यादा जरूरी है समझदारी से खर्च, बचत और निवेश करना। अगर आप आज से ही इन सिद्धांतों को अपनाना शुरू कर देते हैं, तो भविष्य में एक सुरक्षित और समृद्ध जीवन आपका इंतजार कर रहा होगा।

गिरावट के दौर में समझदारी से करें काम

●

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य प्रक्रिया

●

मौजूदा गिरावट को अवसर के रूप में देखें

●

सही रणनीति, धैर्य और लंबी अवधि की सोच के साथ निवेश करें

अब पैसा भी करेगा आपके लिए काम पैसिव इनकम का आसान व स्मार्ट रास्ता

- पहले अपनी इनकम और खर्च को समझें, फिर इमरजेंसी फंड बनाएं
- अपनी स्किल्स से कमाई शुरू करें और छोटे-छोटे निवेश करें
- नियमित सिस्टम बनाकर धीरे-धीरे आगे बढ़ें
- स्थिर और अतिरिक्त इनकम का स्रोत तैयार करें

पैसिव इनकम का मतलब है कम मेहनत में लगातार कमाई। इसके लिए पहले अपनी इनकम-खर्च समझें, फिर इमरजेंसी फंड बनाएं। अपनी स्किल्स से कमाई शुरू करें और छोटे-छोटे निवेश करें। नियमित सिस्टम बनाकर धीरे-धीरे आगे बढ़ें, जिससे समय के साथ स्थिर और अतिरिक्त इनकम का स्रोत तैयार हो सके। आप हर दिन मेहनत करके पैसा कमाते हैं। लेकिन जब कुछ पैसा अपने आप भी आपके लिए काम करने लगे, तो एक अलग सुकून मिलता है। यही 'पैसिव इनकम' का आसान मतलब है। यानी एक बार व्यवस्था बना लें और समय के साथ बिना ज्यादा रोजाना मेहनत के पैसा आता रहे। भारत में कई लोगों के लिए यह सिर्फ कमाने से आगे बढ़कर आर्थिक स्थिरता बनाने का पहला कदम होता है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

सबसे पहले समझें अपनी इनकम और खर्च

- पैसिव इनकम की शुरुआत करने से पहले अपनी मौजूदा वित्तीय स्थिति को समझना बेहद जरूरी है। हर महीने आपकी कुल आमदनी कितनी है और खर्च किन-किन चीजों पर होता है, इसका साफ हिसाब रखें।
- अपने खर्च को तीन हिस्सों में बांटें जरूरी (राशन, किराया, बिल), जीवनशैली (मनोरंजन, घूमना) और बचत। इससे आपको पता चलेगा कि हर महीने कितना पैसा बचता है, जिसे आप निवेश या किसी पैसिव इनकम स्रोत में लगा सकते हैं।

इमरजेंसी फंड बनाना है पहली प्राथमिकता

कोई भी निवेश शुरू करने से पहले एक मजबूत इमरजेंसी फंड होना जरूरी है। यह फंड कम से कम 3 से 6 महीने के खर्च के बराबर होना चाहिए। इसका फायदा यह है कि अचानक आने वाली मेडिकल, नौकरी या अन्य किसी समस्या के समय आपको अपने निवेश को तोड़ना नहीं पड़ेगा। यह आपकी वित्तीय योजना को सुरक्षित रखता है और आपको मानसिक शांति देता है।

अपनी स्किल को बनाएं इनकम का जरिया

पैसिव इनकम का सबसे आसान और कम जोखिम वाला तरीका है। अपनी स्किल का इस्तेमाल करना। अगर आप किसी चीज में अच्छे हैं, जैसे पढ़ाना, लिखना, डिजाइनिंग, कुकिंग या म्यूजिक, तो उसे डिजिटल फॉर्म में बदल सकते हैं। आप ऑनलाइन कोर्स बना सकते हैं, ई-बुक लिख सकते हैं या वीडियो कंटेंट तैयार कर सकते हैं। एक बार यह काम तैयार हो जाने के बाद, यह लंबे समय तक आपको कमाई देता रहता है।

क्या कहता है 4% रूल

4% रूल के अनुसार आप रिटायरमेंट के पहले साल में अपनी कुल बचत का करीब 4% निकाल सकते हैं। इसके बाद हर साल इस अमाउंट को महंगाई के अनुसार थोड़ा बढ़ाया जाता है। उदाहरण के लिए, अगर आपके पास 50 लाख रुपए की बचत है, तो पहले साल आप करीब 2 लाख रुपए खर्च कर सकते हैं। इसका उद्देश्य यह है कि आपकी बाकी बचत निवेश में बनी रहे और समय के साथ बढ़ती भी रहे।

छोटे निवेश से करें शुरुआत

बहुत से लोग यह सोचकर निवेश शुरू नहीं करते कि उनके पास बड़ी रकम नहीं है। जबकि सच्चाई यह है कि छोटे निवेश भी समय के साथ बड़ा रूप ले सकते हैं। हर महीने एक तय राशि निवेश करना एक मजबूत आदत बनाता है। यह निवेश धीरे-धीरे बढ़ता है और कंपाउंडिंग का फायदा देता है। जरूरी यह है कि आप नियमित रहें और लंबे समय के नजरिए से निवेश करें।

ऑटोमेशन से बनाएं आसान सिस्टम

पैसिव इनकम का असली खेल सिस्टम बनाने में है। आप अपने बैंक अकाउंट से हर महीने ऑटोमैटिक निवेश या बचत की व्यवस्था कर सकते हैं। इससे आपको हर बार सोचने या निर्णय लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह छोटा सा कदम आपको अनुशासन सिखाता है और धीरे-धीरे बड़ी संपत्ति बनाने में मदद करता है।

जोखिम और रिटर्न का रखें संतुलन

हर पैसिव इनकम का तरीका पूरी तरह सुरक्षित नहीं होता। कुछ विकल्प ज्यादा रिटर्न देते हैं, लेकिन उनमें जोखिम भी ज्यादा होता है। इसलिए जरूरी है कि आप अपने निवेश को अलग-अलग जगहों पर बांटें। इससे अगर एक जगह नुकसान हो, तो दूसरी जगह से संतुलन बना रहता है। सही संतुलन आपको स्थिर और सुरक्षित इनकम देता है।

लाइफ इंश्योरेंस और सुरक्षा भी जरूरी

पैसिव इनकम की योजना में सुरक्षा को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। एक अच्छा इंश्योरेंस प्लान आपके परिवार को आर्थिक सुरक्षा देता है और आपके निवेश को भी सुरक्षित रखता है। यह आपके वित्तीय प्लान का एक मजबूत आधार बनता है, जिसे अक्सर लोग नजरअंदाज कर देते हैं।

छोटे-छोटे कदम, बड़ा बदलाव

पैसिव इनकम कोई रातों-रात अमीर बनने का तरीका नहीं है। यह एक लंबी प्रक्रिया है, जिसमें धैर्य और अनुशासन की जरूरत होती है। आपको बड़े लक्ष्य के बजाय छोटे-छोटे सिस्टम बनाने पर ध्यान देना चाहिए। जैसे—हर महीने बचत करना, नियमित निवेश करना और साल में एक-दो बार अपनी योजना की समीक्षा करना।

समय के साथ बनती है असली ताकत

पैसिव इनकम की सबसे बड़ी ताकत है समय। जितनी जल्दी आप शुरुआत करेंगे, उतना ज्यादा फायदा मिलेगा। छोटी-छोटी रकम समय के साथ बड़ी बन जाती है और एक स्थिर इनकम का स्रोत तैयार करती है। यह आपको आर्थिक आजादी की ओर ले जाती है, जहां आप सिर्फ काम करने के लिए काम नहीं करते, बल्कि अपने मन से जीवन जी सकते हैं।

पैसे पैसा कमाएं

पैसिव इनकम एक सोच है, जो आपको सिर्फ कमाने से आगे बढ़कर संपत्ति बनाने की दिशा में ले जाती है। इसके लिए जरूरी है कि आप अपनी वित्तीय स्थिति को समझें, सुरक्षा फंड बनाएं, अपनी स्किल का उपयोग करें और छोटे-छोटे निवेश से शुरुआत करें। नियमितता, अनुशासन और सही योजना के साथ आप भी अपने पैसे को अपने लिए काम करने पर मजबूर कर सकते हैं।

शेयर बाजार में हाहाकार कैसे होगा निवेशकों का बेड़ापार

ईरान युद्ध को एक महीना पूरा होने के साथ ही वैश्विक स्तर पर आर्थिक अनिश्चितता का माहौल बन गया है, जिसका सीधा असर भारतीय शेयर बाजार पर भी देखने को मिला है। बीते एक महीने में निफ्टी करीब 10 फीसदी तक गिर चुका है, जिससे इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की वैल्यू में भी गिरावट आई है। इस उतार-चढ़ाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है और वे अब यह सोचने पर मजबूर हैं कि मौजूदा हालात में उन्हें क्या रणनीति अपनानी चाहिए। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इस समय इक्विटी में एकमुश्त (लमसम) निवेश करना सही रहेगा? एक्सपर्ट्स का मानना है कि इसका जवाब निवेशक की जोखिम लेने की क्षमता और निवेश अवधि पर निर्भर करता है। वर्तमान में निफ्टी का प्राइस-टू-अर्निंग (पीई) रेश्यो घटकर लगभग 19.7 पर आ गया है, जो सितंबर 2024 के 24.4 के स्तर से काफी नीचे है। ऐतिहासिक रूप से 20 से नीचे का पीई रेश्यो लंबी अवधि के निवेश के लिए आकर्षक माना जाता है। ऐसे में जिन निवेशकों का नजरिया पांच साल या उससे अधिक का है और जो बाजार के उतार-चढ़ाव को सहन कर सकते हैं, वे निवेश के अवसर तलाश सकते हैं।

चरणबद्ध तरीके से निवेश करें

हालांकि विशेषज्ञ एकमुश्त निवेश करने के बजाय चरणबद्ध तरीके से निवेश करने की सलाह देते हैं। उदाहरण के तौर पर, कुल निवेश राशि का लगभग 25-30 फीसदी अभी लगाया जा सकता है, जबकि बाकी रकम को आने वाले महीनों में धीरे-धीरे निवेश किया जा सकता है। इससे बाजार में और गिरावट की स्थिति में निवेशक बेहतर औसत कीमत हासिल कर सकते हैं।

यह भी सुरक्षित रणनीति

एक अन्य सुरक्षित रणनीति सिस्टमैटिक ट्रांसफर प्लान (एसटीपी) हो सकती है। इसमें निवेशक पहले अपनी राशि को किसी लिक्विड फंड में डालते हैं, जहां उन्हें लगभग 6-7 फीसदी का रिटर्न मिल सकता है। इसके बाद यह राशि धीरे-धीरे इक्विटी फंड्स में ट्रांसफर होती रहती है। यह तरीका बाजार के उतार-चढ़ाव के जोखिम को कम करने में मदद करता है।

पोर्टफोलियो की समीक्षा करें

अब बात करते हैं पोर्टफोलियो में बदलाव की। मौजूदा बाजार परिस्थितियां निवेशकों के लिए अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करने का सही समय मानी जा रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशकों को अपनी जोखिम क्षमता, वित्तीय लक्ष्यों और निवेश अवधि को ध्यान में रखते हुए अपने निवेश का पुनर्मूल्यांकन करना चाहिए। यदि किसी निवेशक का पैसा एक ही एसेट क्लास या किसी विशेष सेक्टर में अधिक केंद्रित है, तो उसे विविधता लाने की जरूरत है। बीते कुछ समय में कई निवेशकों ने सोना, चांदी या किसी खास थीमेटिक फंड में अधिक निवेश किया है, जिससे उनका पोर्टफोलियो असंतुलित हो गया है। ऐसे निवेशकों को लार्ज-कैप इंडेक्स फंड्स या फ्लेक्सी-कैप फंड्स जैसे विविधीकृत विकल्पों की ओर रुख करना चाहिए। इससे जोखिम कम होता है और लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ती है।

एक्सपर्ट्स की सलाह

- गिरावट में घबराएं नहीं, यह निवेश का मौका भी हो सकता है
- लमसम के बजाय चरणबद्ध निवेश अपनाएं
- एसटीपी के जरिए जोखिम कम करें
- पोर्टफोलियो को डाइवर्सिफाइड रखें
- लंबी अवधि का नजरिया बनाए रखें

जल्दबाजी में निर्णय लेना नुकसानदायक

जहां तक घाटा दे रही स्कीमों का सवाल है, विशेषज्ञों का मानना है कि जल्दबाजी में निर्णय लेना नुकसानदायक हो सकता है। जिन निवेशकों की निवेश अवधि सात साल या उससे अधिक है, उन्हें डाइवर्सिफाइड इक्विटी फंड्स में निवेश जारी रखना चाहिए और शॉर्ट-टर्म गिरावट को नजरअंदाज करना चाहिए। बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य बात है और लंबी अवधि में यह अक्सर संतुलित हो जाता है।

जोखिम क्षमता से अधिक है, तो पुनर्विचार करें

यदि किसी निवेशक का बड़ा हिस्सा सेक्टोरल या थीमेटिक फंड्स में लगा है और वह उनकी जोखिम क्षमता से अधिक है, तो उसे इस पर पुनर्विचार करना चाहिए। ऐसी स्थिति में अतिरिक्त निवेश कर नुकसान की भरपाई (एवरेजिंग) करना हमेशा सही रणनीति नहीं होती। बेहतर होगा कि निवेशक अपनी हिस्सेदारी को संतुलित करें और जरूरत पड़ने पर इन फंड्स में निवेश कम करके डाइवर्सिफाइड फंड्स में शिफ्ट करें। कुल मिलाकर, मौजूदा बाजार गिरावट को घबराने के बजाय एक अवसर के रूप में देखा जा सकता है, बशर्ते निवेशक धैर्य और समझदारी से काम लें। लंबी अवधि का नजरिया, विविधीकृत पोर्टफोलियो और चरणबद्ध निवेश जैसी रणनीतियां इस अस्थिर माहौल में भी निवेशकों को सुरक्षित और लाभदायक दिशा दे सकती हैं।

इसलिए आई गिरावट

ईरान युद्ध के चलते वैश्विक अनिश्चितता बढ़ी है, जिसका असर भारतीय शेयर बाजार पर साफ दिख रहा है। पिछले एक महीने में निफ्टी करीब 10 फीसदी तक गिर चुका है। इसका सीधा असर इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की वैल्यू पर पड़ा है, जिससे निवेशकों में घबराहट का माहौल है।

रिटायरमेंट के बाद पैसा खत्म न हो

सही प्लानिंग और अनुशासन से बनाएं सुरक्षित भविष्य बिजनेस डेस्क। हर इंसान चाहता है कि रिटायरमेंट के बाद उसकी जिंदगी आरामदायक और चिंता मुक्त हो। लेकिन जैसे ही नियमित आय का स्रोत बंद होता है, सबसे बड़ा सवाल सामने आता है। "क्या मेरी बचत पूरी जिंदगी साथ दे पाएगी?" बढ़ती महंगाई, हेल्थकेयर का खर्च और बदलती लाइफस्टाइल जरूरतें इस चिंता को और बढ़ा देती हैं। कई लोग यह तय ही नहीं कर पाते कि हर साल कितना खर्च करना सुरक्षित रहेगा ताकि पैसा जल्दी खत्म न हो। यहीं पर 4% रूल एक आसान और व्यवहारिक गाइडलाइन के रूप में सामने आता है। यह कोई जटिल फाइनेंशियल फॉर्मूला नहीं, बल्कि एक सरल तरीका है जो यह समझने में मदद करता है कि आपकी बचत को कितने संतुलित तरीके से खर्च किया जाए।